

---

gaNanAyakAShTakam

——  
गणनायकाष्टकम्

——  
Document Information



---

Text title : Gananayakashtakam

File name : gaNanAyak8.itx

Category : aShTaka, ganesha

Location : doc\_ganesha

Proofread by : NA

Description-comments : Shri Vighneshvarastutimanjari Part 1, p211. From stotrArNavaH 01-04

Latest update : November 5, 2016

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 3, 2022

*sanskritdocuments.org*

---



गणनायकाष्टकम्



एकदन्तं महाकायं तप्तकाञ्चनसन्निभम् ।  
लम्बोदरं विशालाक्षं वन्देऽहं गणनायकम् ॥ १ ॥  
मौञ्जीकृष्णाजिनधरं नागयज्ञोपवीतिनम् ।  
बालेन्दुसुकलामौलिं वन्देऽहं गणनायकम् ॥ २ ॥  
अम्बिकाहृदयानन्दं मातृभिः परिवेष्टितम् ।  
भक्तिप्रियं मदोन्मत्तं वन्देऽहं गणनायकम् ॥ ३ ॥  
चित्ररत्नविचित्राङ्गं चित्रमालाविभूषितम् ।  
चित्ररूपधरं देवं वन्देऽहं गणनायकम् ॥ ४ ॥  
गजवक्रं सुरश्रेष्ठं कर्णचामरभूषितम् ।  
पाशाङ्कुशधरं देवं वन्देऽहं गणनायकम् ॥ ५ ॥  
मूषकोत्तममारुह्य देवासुरमहाहवे  
योद्धुकामं महावीर्यं वन्देऽहं गणनायकम् ॥ ६ ॥  
यक्षकिन्नरगन्धर्वैस्सिद्धविद्याधरैस्सदा  
स्तूयमानं महाबाहुं वन्देऽहं गणनायकम् ॥ ७ ॥  
सर्वविघ्नहरं देवं सर्वविघ्नविवर्जितम् ।  
सर्वसिद्धिप्रदातारं वन्देऽहं गणनायकम् ॥ ८ ॥  
गणाष्टकमिदं पुण्यं यः पठे सततं नरः  
सिद्ध्यन्ति सर्वकार्याणि विद्यावान् धनवान् भवेत् ॥ ९ ॥  
इति श्रीगणनायकाष्टकं सम्पूर्णम् ।

*gaNanAyakAShTakam*

pdf was typeset on October 3, 2022

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

